सितारों को
निकलते हुए देखो

दादी ने मुझे बताया कि जब उनकी माँ एक छोटी लड़की थीं, तो उनके लाल बाल थे - बिल्कुल मेरी तरह. हर शुक्रवार की रात, सब बर्तन धोकर रखे जाने के बाद, दादी की माँ उनके कमरे में आती थीं और उन्हें एक विशेष कहानी सुनाती थीं.

कहानी बहुत खास थी. कहानी अमेरिका की लंबी यात्रा के बारे में थी. कहानी एक छोटी लाल बालों वाली लड़की और उसके भाई के बारे में थी जो अपनी माता-पिता से मिलने के लिए एक अजीब नए देश में अकेले यात्रा कर रहे थे.

कुछ बातें हुईं वो वाकई बहुत दुखद थीं. लेकिन कुछ बातें उतनी ही लाजवाब थीं - जैसे सितारों को निकलते हुए देखना.

यह एक प्यारे परिवार की कहानी है जिसकी गर्मजोशी साफ़ चमकती है.

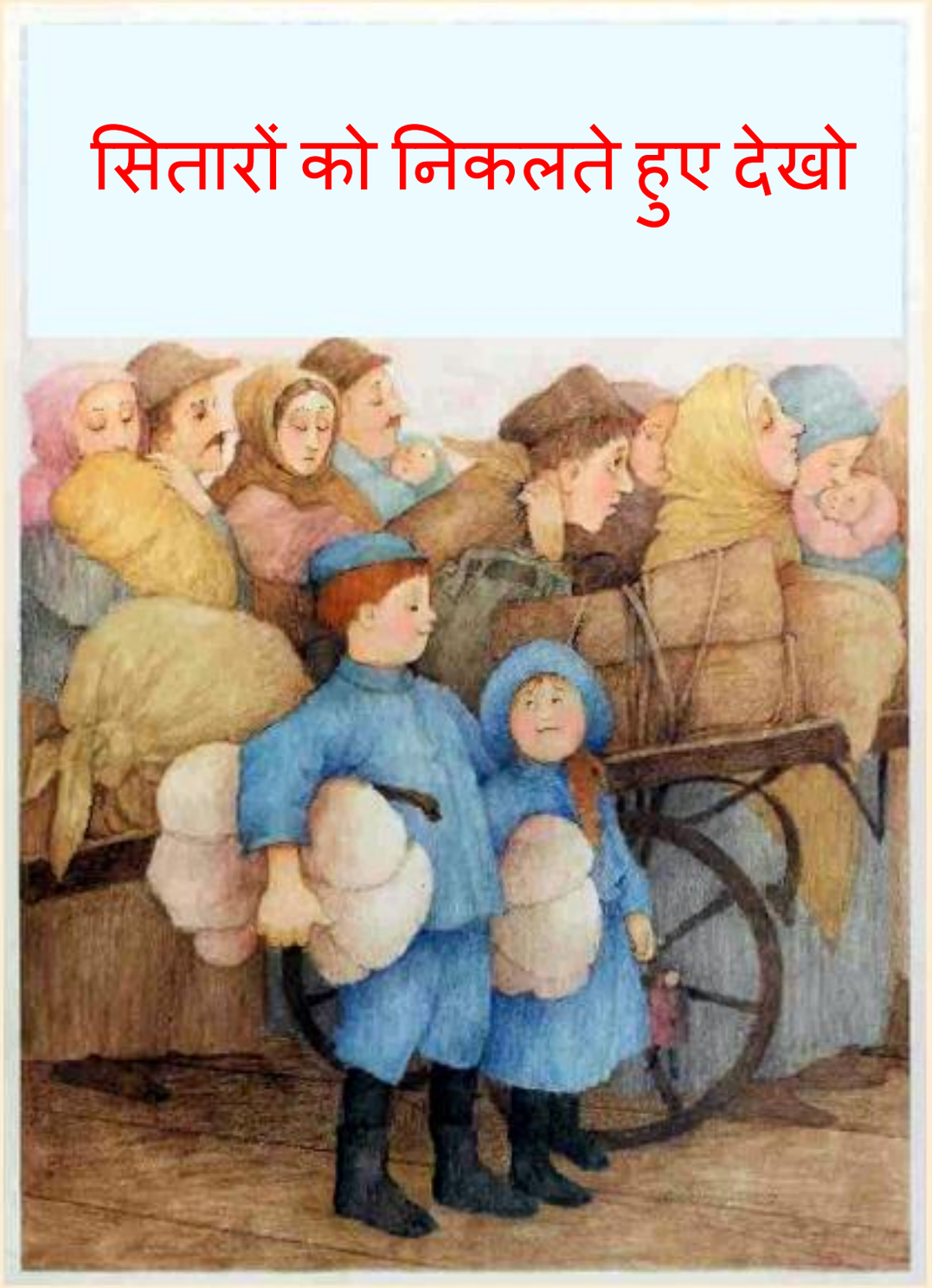

दादी ने मुझे बताया कि जब उनकी माँ एक छोटी लड़की थीं, तो उनके लाल बाल थे - बिल्कुल मेरी तरह.

दादी की माँ बिस्तर पर जल्दी जाकर लेटती थीं, और उन्हें तारों को बाहर आते हुए देखना बेहद पसंद था - बिल्कुल मेरी तरह.

हर शुक्रवार की रात को बर्तन धोने के बाद, दादी की माँ उनके कमरे में आती थीं और उन्हें एक विशेष कहानी सुनाती थीं.

जब मैं एक बहुत छोटी लड़की थी, तो मैं अपने बड़े भाई के साथ एक बड़ी नाव पर अमेरिका गई. माँ, पापा और बहन वहाँ हमारा इंतज़ार कर रहे थे.

मेरी चाची, मानिआ की बहन, हमें नाव तक छोड़ने आईं. वह मेरे दो छोटे भाइयों को साथ नहीं लाईं. वे अभी बहुत छोटे थे. बड़े होने पर वे भी नाव पर अमरीका की यात्रा करेंगे.

आंटी ने हमें सूखे मेवे (ड्राई-फ्रूट्स) से भरा एक बड़ा बर्तन दिया. उन्होंने एक बूढ़ी औरत से हमारी देखभाल करने को कहा. बूढ़ी औरत वो काम किया भी. पर उसने हमारे सूखे मेवे भी खाए.

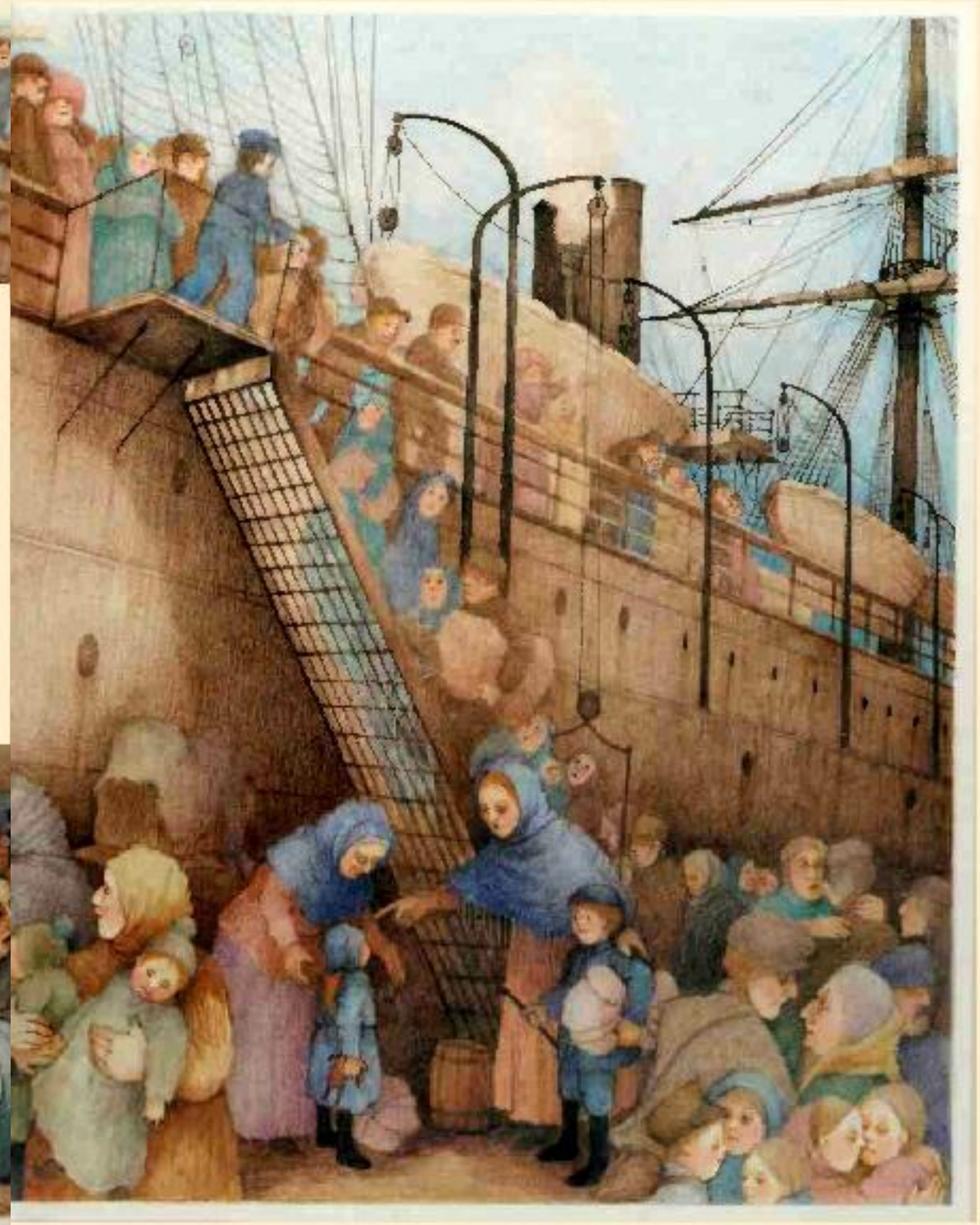

बूढ़ी औरत, भाई और मैं अपने केबिन की ओर बढ़े. अपने बंडलों को नीचे ले जाते हुए मैंने अपने क़दमों को गिना. क्योंकि कदम इतने सारे थे, इसलिए मैं थोड़ी देर के बाद उन्हें गिनना ही भूल गई.

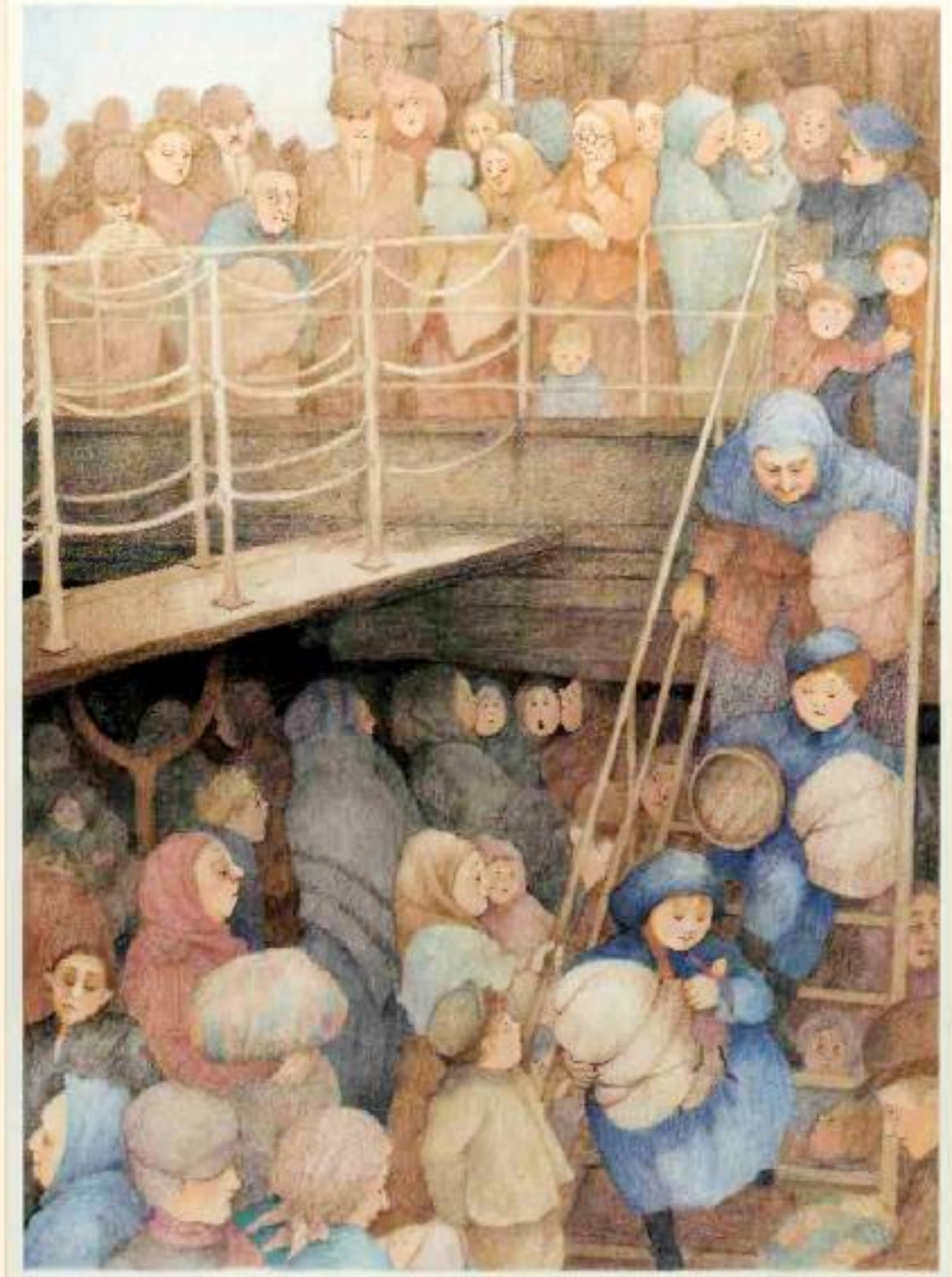

कभी-कभी नाव आगे-पीछे हिचकोले खाती थी. उसमें हमें बहुत मज़ा आता था! पर कुछ लोगों पर उसका गलत प्रभाव पड़ता था - और वे बीमार पड़ जाते थे. बुढ़िया बहुत बीमार हो गई. बाद में वो चल बसी. भाई ने मुझ से चिंता न करने को कहा. उसने कहा कि अब वो मेरी देखभाल करेगा. मेरा भाई दस साल का था.

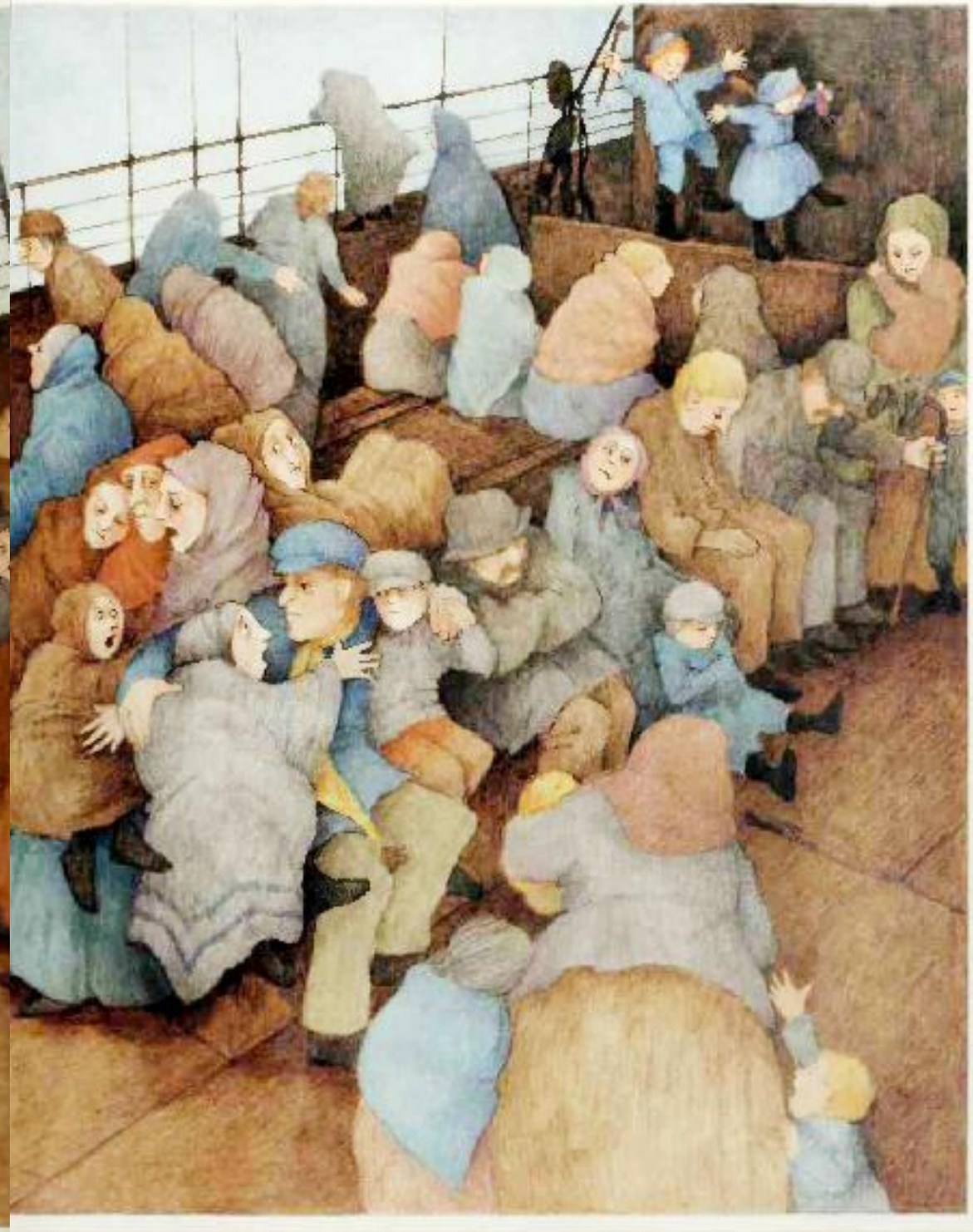

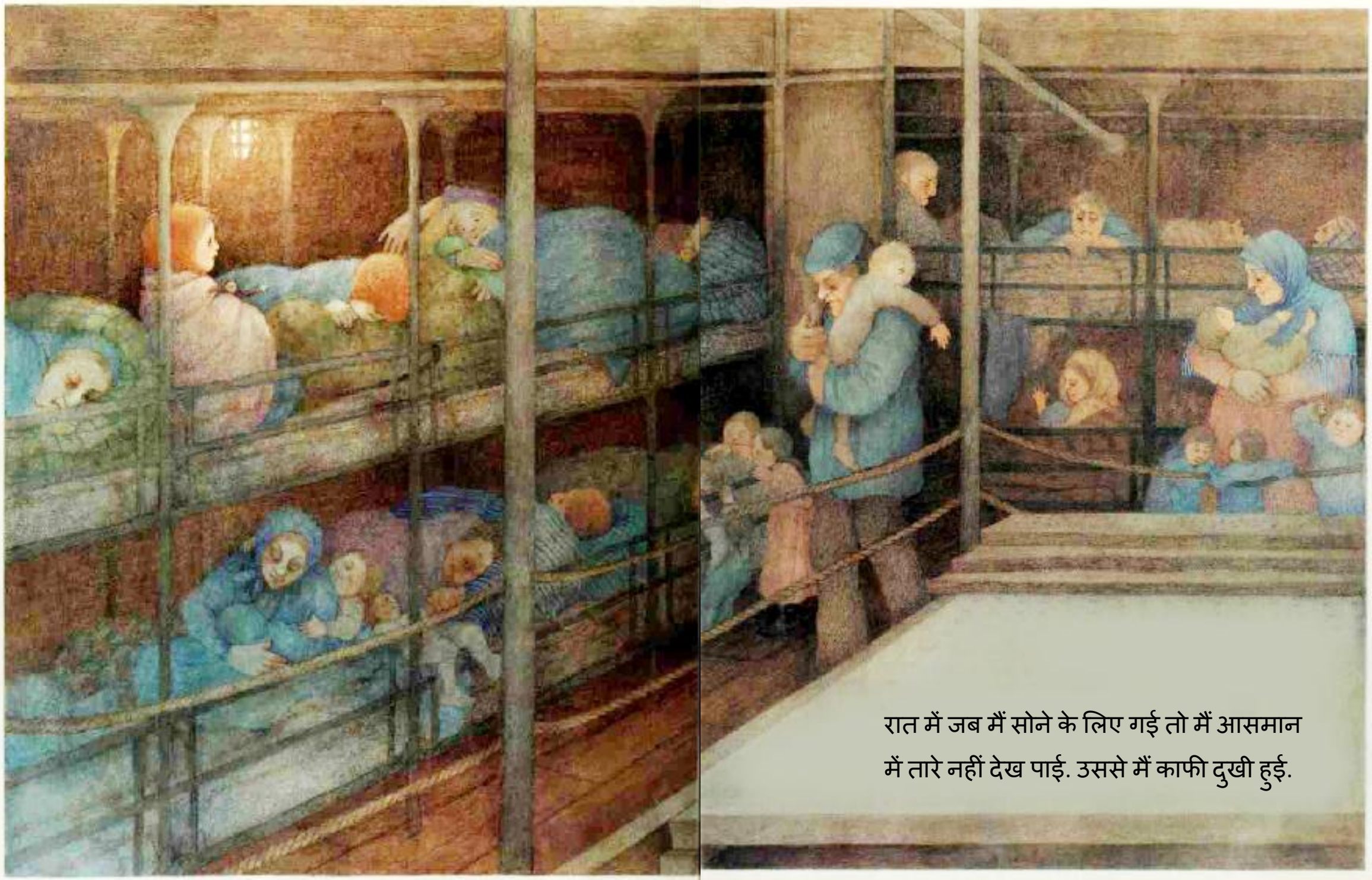

रात में जब मैं सोने के लिए गई तो मैं आसमान
में तारे नहीं देख पाई. उससे मैं काफी दुखी हुई.

सुबह उठते ही भाई रोज़ाना अपनी छड़ी पर एक निशान लगाता था, मैंने उन्हें गिना - वे कुल तेईस थे.

कल सुबह हमने पानी के पार देखा. वहां हमें एक-दूसरे के पास दो द्वीप दिखाई दिए. उनमें से एक द्वीप में एक विशाल मूर्ति खड़ी थी, जो एक मुकुट वाली महिला की थी. उस मूर्ती को देखकर सभी लोग बहुत उत्साहित हुए और उन्होंने उसकी ओर अपने हाथ हिलाए.... मैंने भी वही किया.

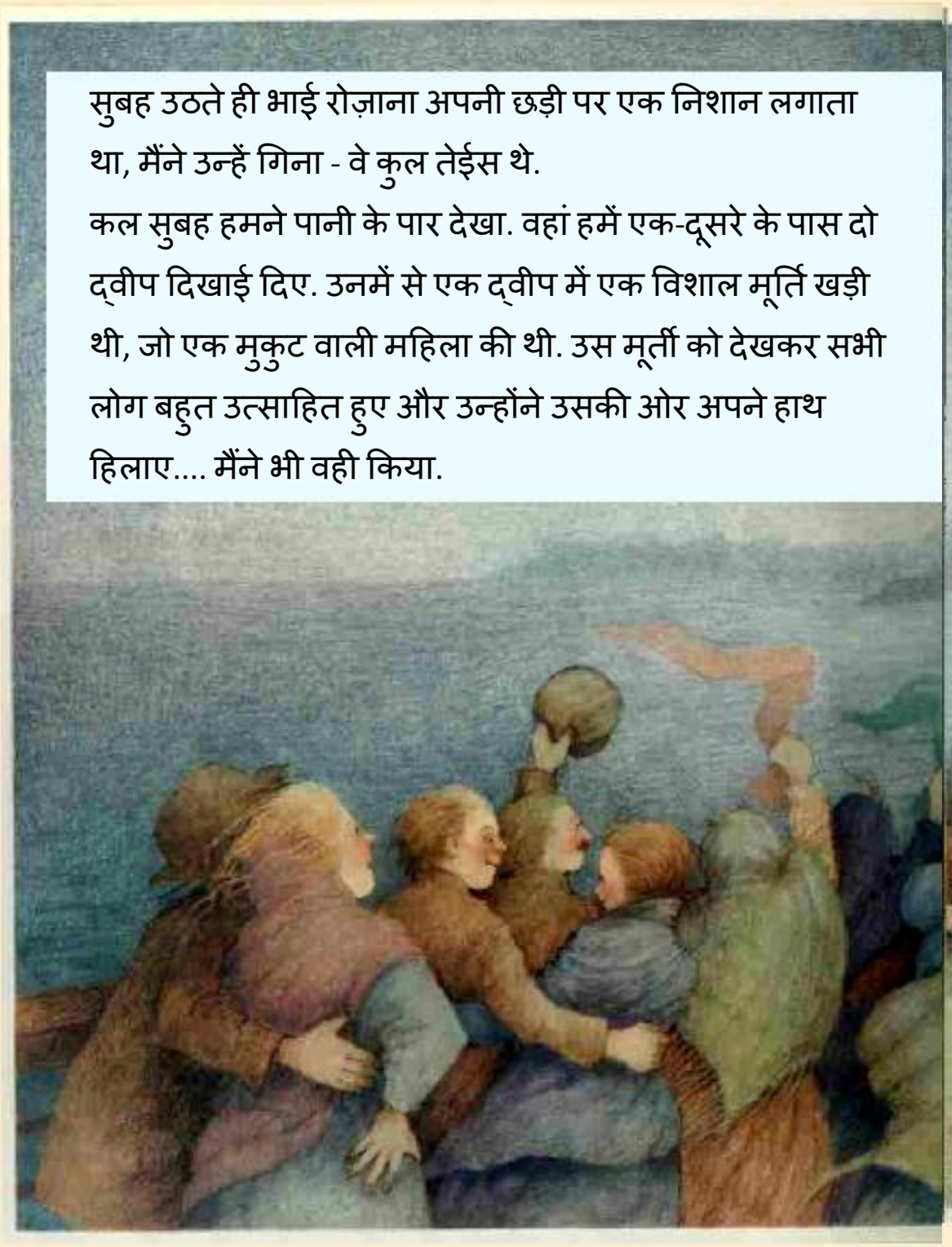

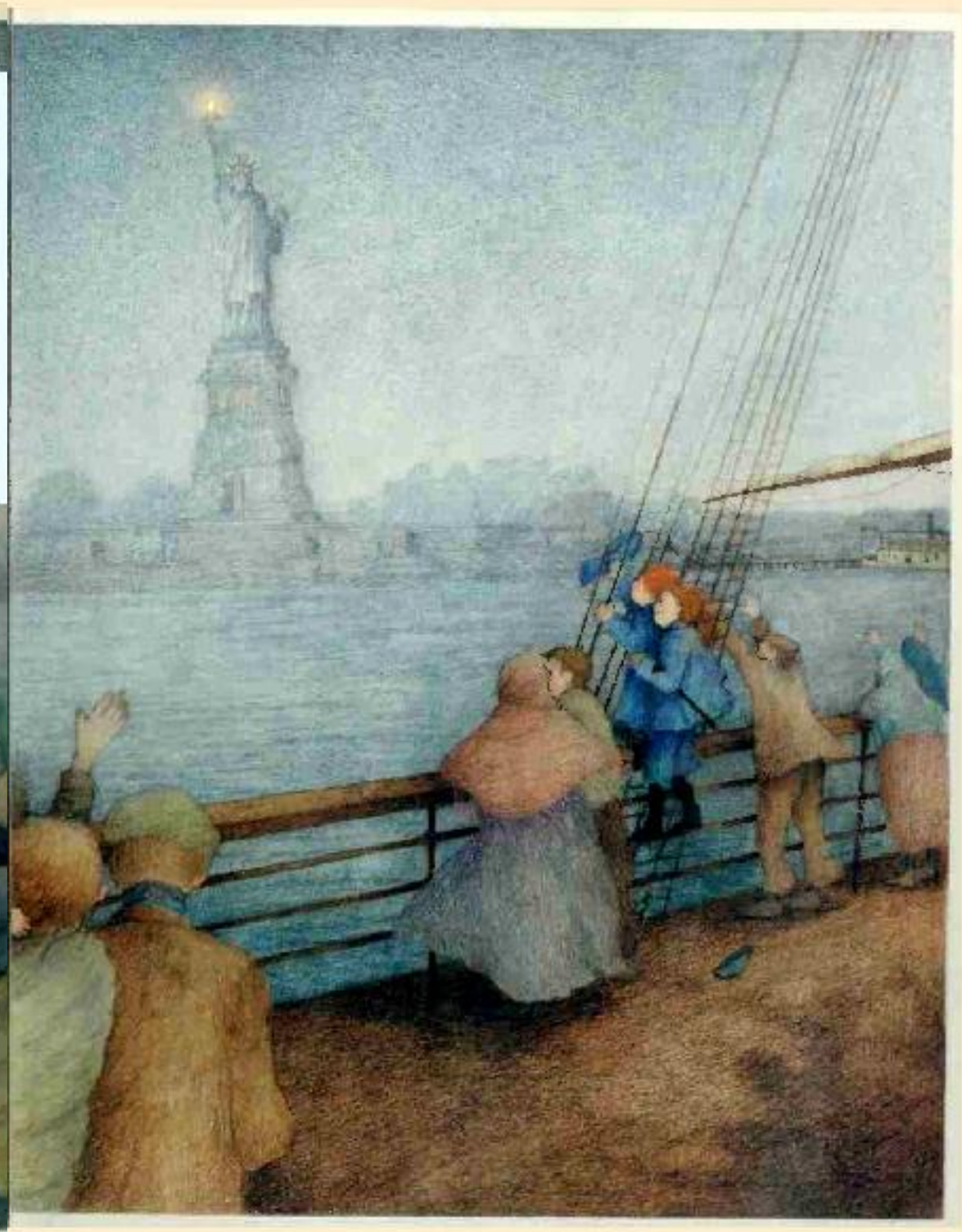

जब नाव रुकी, तो हम अपने सामान के बंडलों को नीचे
लेकर गए. मैं रोने लगी, क्योंकि मुझे माँ, पापा और बहन
कहीं भी नहीं दिखे. एक नाविक ने मुझे दिलासा दी.
उसने कहा कि हम जल्द ही उनसे मिलेंगे.
फिर हम एक अन्य नाव में बैठकर दूसरे द्वीप पर गए.

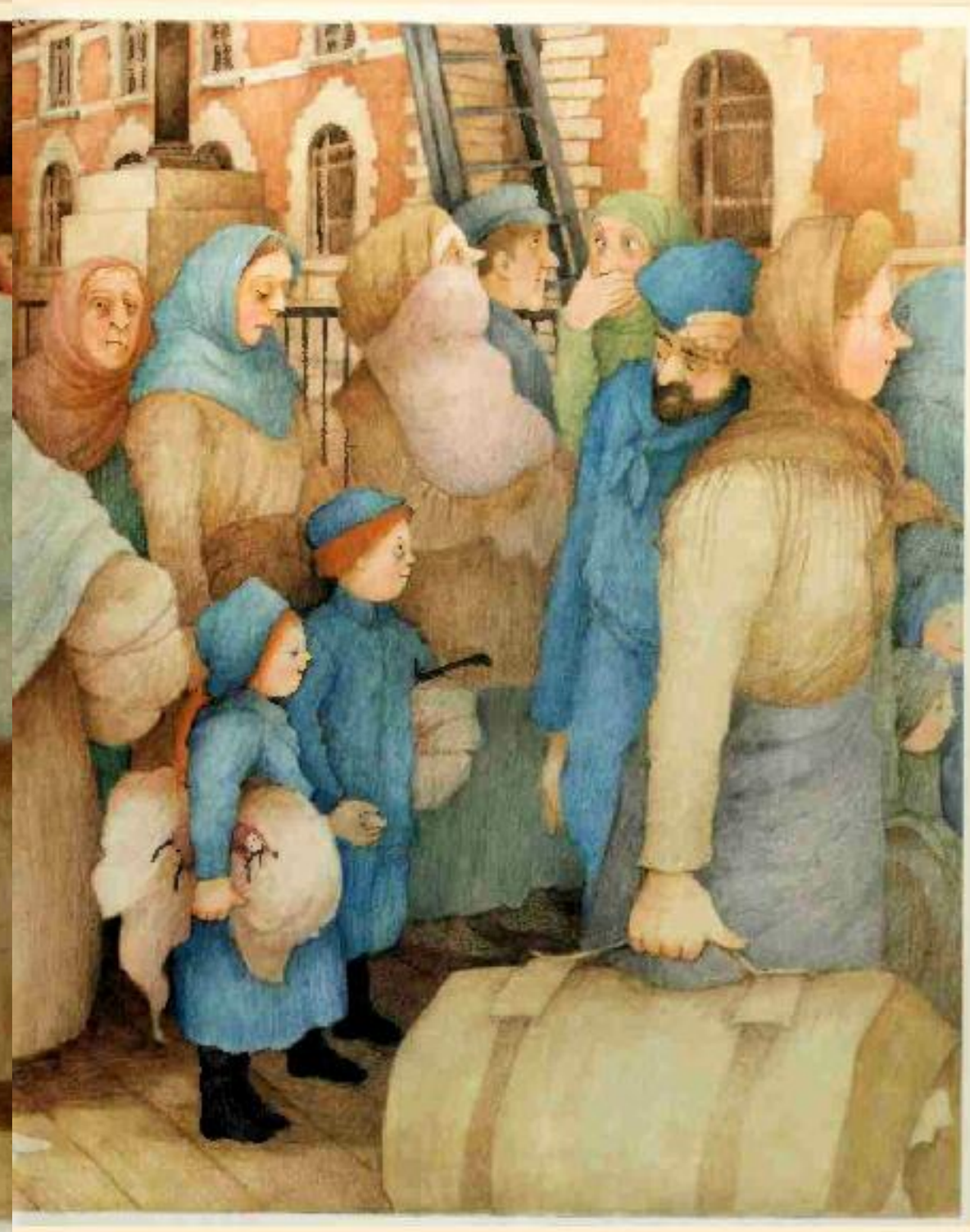

हम अपने बंडलों को एक बहुत बड़े कमरे में ले गए.
उन बच्चों के साथ - जिनके माँ और पापा नहीं आए थे,
मुझे और भाई को एक छोटे से कमरे में ले जाया गया.
एक महिला ने मुझे चारों तरफ देखा. उसने ऐसा क्यों किया
मुझे समझ नहीं आया. मैंने भाई का इंतजार किया.
महिला ने भाई की तरफ भी देखा.

अगले दिन हम एक दूसरी नाव से गए. हम सामने देख रहे
थे और जमीन लगातार हमारे और करीब आ रही थी.
सब लोगों ने अपने हाथ लहराए. हमने भी वही किया.

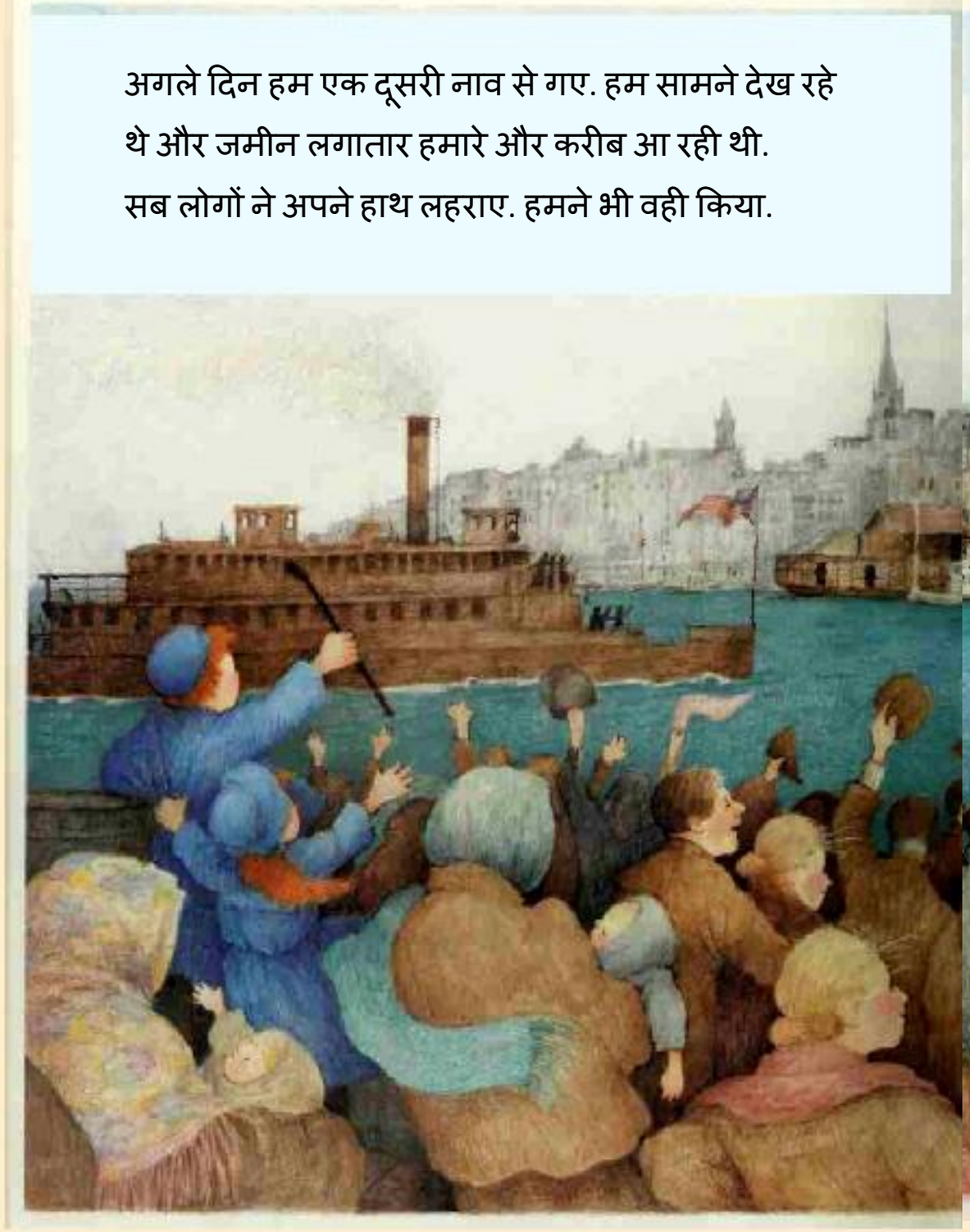

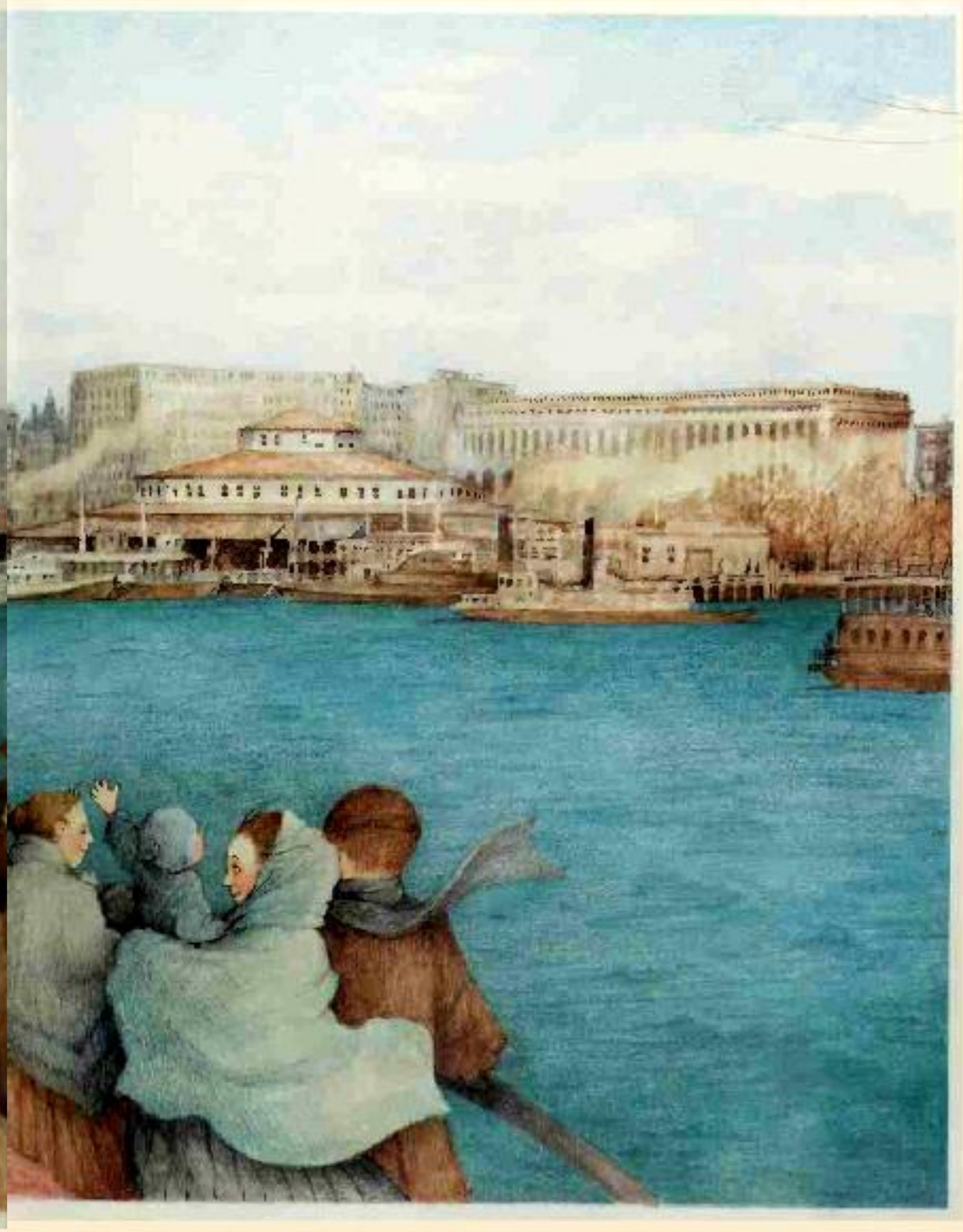

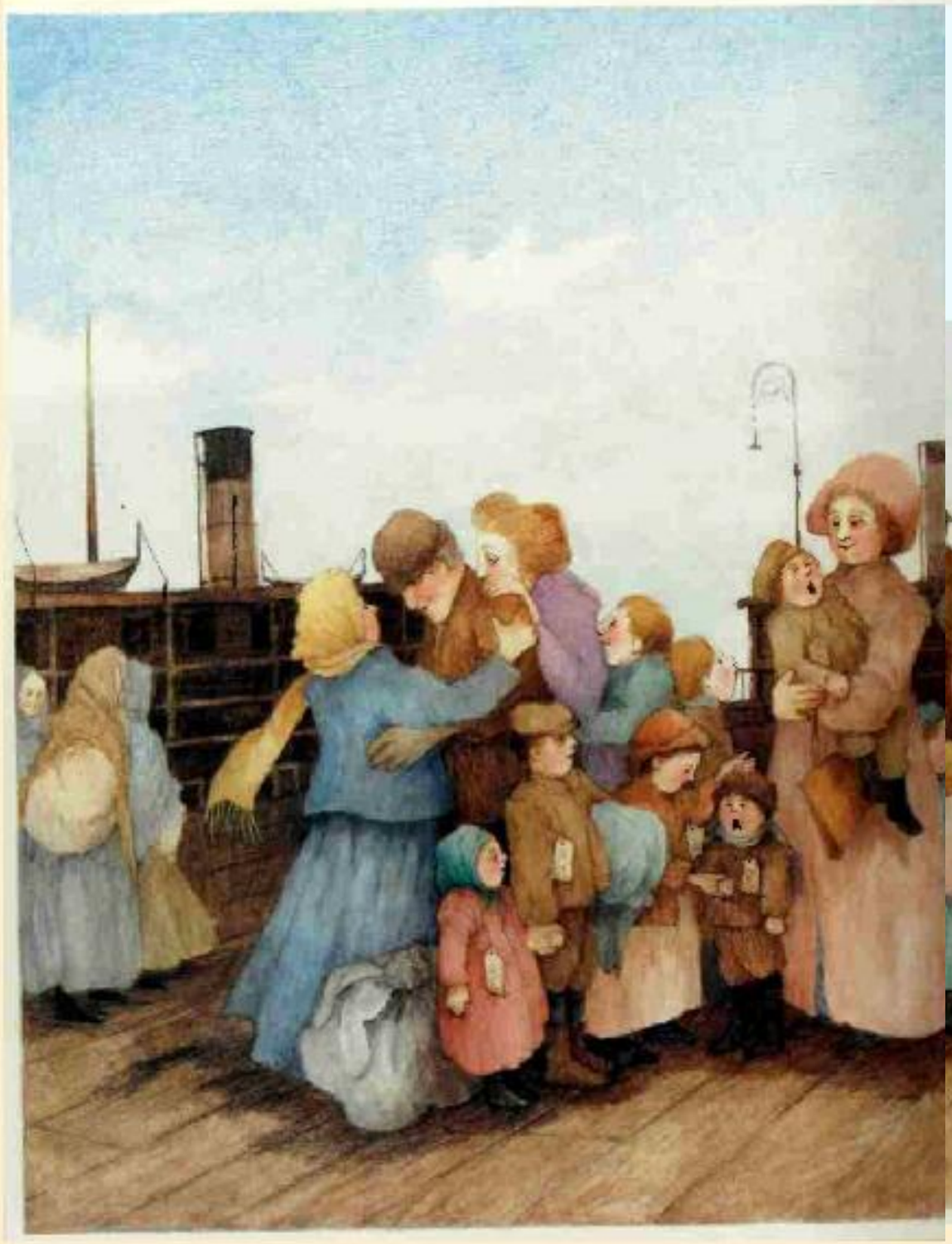

माँ, पापा और बहन वहां हमारे इंतज़ार में खड़े थे!

एक ट्रॉली पर सामान लादकर हम अपने गए. मामा ने कहा कि वो उनका महल था. मानिआ का घर सबसे ऊपर वाली मंजिल पर था. हम लोग पचास सीढ़ियां चढ़ने के बाद ही अपने घर पहुंचे. मैंने सीढ़ियों को गिना!

माँ और पापा का कमरा बिल्कुल बीच में था.
हमारा कमरा सामने था. और उसके पीछे किचन था
जहाँ एक बड़ा काला स्टोव रखा था.
माँ ने चूल्हे पर पानी का एक बड़ा बर्तन गरम किया.
उन्होंने उसे सिंक में डाला और फिर नहाने के लिए चढ़ने में
उन्होंने मेरी मदद की.

माँ ने मेरे बाल धोए, और बाद में उन्हें ब्रश किया.
मुझे वो बहुत अच्छा लगा.
बहन ने हमें चाय दी और खाने को कुकीज़ दीं.
मै बहुत थक गई थी.

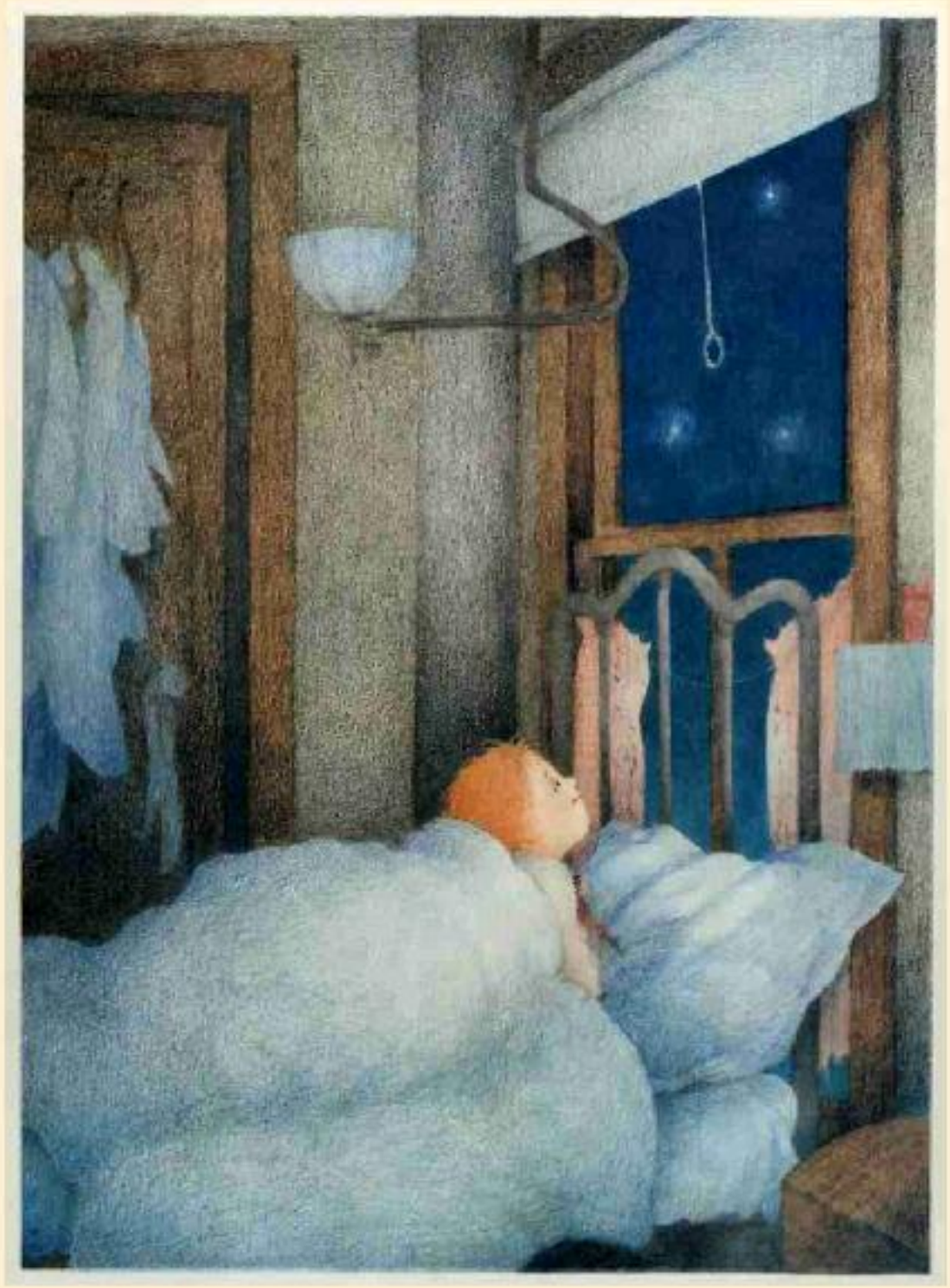

मैं माँ और बहन को पुच्ची दी और उनसे गुड-नाईट कहा.
पापा ने मेरा सर थपथपाया और कहा कि मैं उनकी छोटी राजकुमारी थी.
मैं अपने कमरे में गई और फिर दीदी के बिस्तर पर चढ़ गई.
उनका बिस्तर खिड़की की बगल में था.
मैंने देखा कि आसमान में तारे बाहर निकल रहे थे.
एक दो तीन.

इस शुक्रवार की रात को मैं बहुत जल्दी बिस्तर पर जाऊंगी
और आसमान में तारे देखूंगी.
मुझे उम्मीद है कि दादी मेरे कमरे में ज़रूर आएँगी और
मुझे कोई ख़ास कहानी सुनाएंगी.

समाप्त